

८२६३

247
अंकुर

समर्पण

जिन पूज्य पिता जी के अप्रतिम त्याग के प्रभाव से मेरे हृदय से ये 'अंकुर' सहसा फूट निकले उन्हीं के कर-कमलों में—

—रत्नकुमारी